सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

स्वराज इंडिया

दैनिक सांध्यकालीन

कानपुर, मंगलवार, 22 अप्रैल, 2025
वर्षः 02, अंकः 116, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

अखिलेश यादव की एनएसजी सुरक्षा के लिए सपा विधायक ने गृहमंत्री अमित शाह को लिखा पत्र

» Pg12

इनसाइड ट्रेन यात्रियों के कीमती सामान चुराने वाले तीन शातिर... » Pg02

सिविल सेवा परीक्षा का अंतिम परिणाम जारी

शक्ति दुबे ने किया टॉप, हर्षिता सेकेंड

डोंगरे अर्चित पराग ने तीसरा स्थान प्राप्त किया

» स्वराज इंडिया संवाददाता।

प्रयागराज। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने 22 अप्रैल 2025 को सिविल सेवा परीक्षा 2024 का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया है। इस प्रतिष्ठित परीक्षा में प्रयागराज की शक्ति दुबे ने प्रथम रैंक (एआईआर-1) हासिल कर शहर और देश का नाम रोशन किया है। इस साल कुल 1,009 उम्मीदवारों को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस), भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) और अन्य केंद्रीय सेवाओं (ग्रुप ए और बी) के लिए चुना गया है।

शक्ति दुबे ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि हर्षिता गोयल ने दूसरा और डोंगरे अर्चित पराग ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। शाह मार्गी चिराग (4), आकाश गर्ग (5), कोमल पुनिया (6), आयुषी बंसल (7), राज कृष्ण झा (8), आदित्य विक्रम अग्रवाल (9) और मयंक त्रिपाठी (10) शीर्ष 10 में शामिल हैं। 1,132 रिक्तियों के मुकाबले 1,009 उम्मीदवारों को चुना गया है। इसमें 335 सामान्य वर्ग, 109 सामान्य, 318 ओबीसी, 160 एससी, 87 एसटी और 45 दिव्यांग (पीडब्ल्यूबीडी) उम्मीदवार शामिल हैं। 241 उम्मीदवारों का परिणाम अस्थायी रखा गया है।

यूपीएससी ने 230 उम्मीदवारों की एक समेकित रिजर्व लिस्ट भी जारी की है, जिसमें 115 सामान्य, 35 सामान्य, 59 ओबीसी, 14 एससी, 6 एसटी और 1 पीडब्ल्यूबीडी उम्मीदवार शामिल हैं। यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2024 की प्रारंभिक परीक्षा 16 जून 2024 को, मुख्य परीक्षा 20-29 सितंबर 2024 को और साक्षात्कार (पर्सनैलिटी टेस्ट) 7 जनवरी से 17 अप्रैल 2025 तक आयोजित हुए। कुल 5-6 लाख उम्मीदवारों ने प्रारंभिक परीक्षा दी, जिनमें से 2,845 ने साक्षात्कार के लिए क्वालिफाई किया।

टॉपर शक्ति दुबे की उपलब्धि

प्रयागराज की शक्ति दुबे ने अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण से यूपीएससी 2024 में टॉप कर इतिहास रचा है। शक्ति दुबे ने इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन करने के बाद बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी से बायोकैमेस्ट्री में एमएससी की है। 2018 में पोस्ट ग्रेजुएट होने के बाद शक्ति दुबे ने सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी शुरू कर दी। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार और शहर को गौरवान्वित किया है, बल्कि लाखों यूपीएससी अभ्यर्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बनी हैं। शक्ति की सफलता पर सोशल मीडिया पर बधाइयों का तांता लगा हुआ है।

पोप फ्रांसिस का निधन | पहला 22-23 अप्रैल को और तीसरा अंतिम संस्कार के दिन

भारत में आज से तीन दिन का राजकीय शोक घोषित

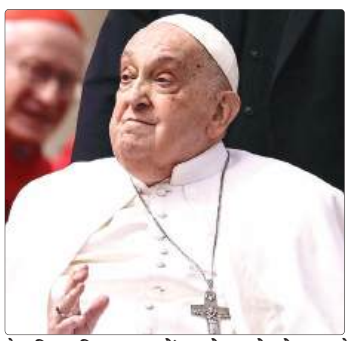

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया।

नई दिल्ली। पोप फ्रांसिस के निधन पर भारत सरकार ने देशभर में तीन दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। गृह मंत्रालय ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि महामहिम पोप फ्रांसिस, सर्वोच्च धर्मगुरु का सोमवार, 21 अप्रैल 2025 को निधन हो गया। उनके सम्मान में भारत में तीन दिन का राजकीय शोक मनाया जाएगा। गृह मंत्रालय के अनुसार, राजकीय शोक का पहला चरण दो दिनों का होगा, जो मंगलवार, 22 अप्रैल और बुधवार, 23 अप्रैल को लागू रहेगा।

तीसरा दिन पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार के दिन मनाया जाएगा। इस दौरान पूरे भारत में उन सभी इमारतों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा, जहां इसे नियमित रूप से फहराया जाता है। साथ ही, इस अवधि में कोई भी आधिकारिक मनोरंजन कार्यक्रम आयोजित नहीं होगा। पोप फ्रांसिस, जिनका असली नाम जॉर्ज मारियो बर्गोलियो था, मार्च 2013 में पोप चुने गए थे। वह अपने सादगी भरे जीवन, सामाजिक न्याय के प्रति समर्पण और पर्यावरण संरक्षण जैसे मुद्दों पर मुखर रुख के लिए विश्व भर में जाने जाते थे। उनके निधन से न केवल कैथोलिक समुदाय, बल्कि पूरी दुनिया में शोक की लहर है। भारत में भी उनके निधन पर कई नेताओं और संगठनों ने शोक व्यक्त किया है।

देश में कई चर्चों के पादरियों ने भी उनके निधन पर शोक जताया है। बता दें कि किडनी की बीमारी से जूझ रहे पोप फ्रांसिस का सोमवार को निधन हो गया। वेटिकन ने एक वीडियो संदेश में यह जानकारी दी। बयान में कहा गया था कि रोमन कैथोलिक चर्च के पहले लैटिन अमेरिकी नेता पोप फ्रांसिस का निधन हो गया था। ईसाइयों के सबसे बड़े धर्मगुरु पोप फ्रांसिस 88 वर्ष के थे और वह किडनी की बीमारी से पीड़ित थे। कुछ समय पहले कई दिनों तक वेंटिलेटर पर रहने के बाद वह ठीक होकर घर लौटे थे। पोप फ्रांसिस को हाल ही में डबल निमोनिया की गंभीर बीमारी ने भी जकड़ा था।

शोक दिवस पर पूरे देश या राज्य की सरकारी इमारतों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुकाया जाता है। केवल स्मरण या श्रद्धांजलि हेतु झंडा झुकाया जाता है, कोई अन्य कार्य नहीं किया जाता। आधिकारिक समारोह और सरकारी कार्यक्रम रद्द। वहीं सिनेमा हॉल, थिएटर और अन्य मनोरंजन से जुड़ी गतिविधियाँ कुछ स्थानों पर बंद रहती हैं।

ट्रेन यात्रियों के कीमती सामान चुराने वाले तीन शातिर गिरफ़्तार

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। सेंट्रल रेलवे स्टेशन के पास जीआरपी ने चेकिंग के दौरान तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है, जो ट्रेनों और प्लेटफार्मों पर यात्रियों का कीमती सामान चोरी और छिनैती करते थे। यह गिरफ्तारी हैरिशगंज पुल के पास, टाटमील की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते से की गई।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रवेश उर्फ धीरज उर्फ बीना कठेरिया (23 वर्ष), राजबहादुर उर्फ छोटू गौतम (28 वर्ष), और अकबर अली (23 वर्ष) के रूप में हुई है। ये सभी आरोपी लंबे समय से चोरी और छिनैती की घटनाओं में सक्रिय थे। पूछताछ के दौरान उन्होंने बताया कि वे ट्रेनों में सफर कर रहे या प्लेटफार्म पर सो रहे यात्रियों के मोबाइल, पर्स व अन्य कीमती सामान चुराकर उन्हें अंजान लोगों को बेच देते थे।जीआरपी ने उनके कब्जे से पांच मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिनकी कुल कीमत लगभग ढाई लाख रुपये बताई जा रही है। जीआरपी प्रभारी ओम नारायण सिंह ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है। इनमें से अकबर अली को पूर्व में भी चोरी की घटनाओं में कई बार गिरफ्तार किया जा चुका है।

जीआरपी हेड कांस्टेबल मोहम्मद आसिफ़ सम्मानित

» जीवन रक्षक सेवा के लिए किया गया सम्मानित

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। जीआरपी कानपुर सेंट्रल पर तैनात हेड कांस्टेबल मोहम्मद आसिफ़ को उनकी अद्वितीय साहसिक सेवा के लिए सम्मानित किया गया है। उन्होंने एक यात्री की उस समय जान बचाई, जब उसे यात्रा के दौरान अचानक हार्ट अटैक आया। आसिफ़ ने बिना समय गंवाए तत्काल सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) देकर उस व्यक्ति की जान बचाई।इस सराहनीय कार्य के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, रेलवे प्रयागराज द्वारा उन्हें अक्षय वट प्रश्न चिन्ह और प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान जीआरपी कानपुर सेंट्रल के प्रभारी निरीक्षक ओम नारायण सिंह द्वारा सौंपा गया।

हेड कांस्टेबल मोहम्मद आसिफ़ का यह कार्य न केवल पुलिस विभाग की सकारात्मक छवि प्रस्तुत करता है, बल्कि यह समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी और मानवता के प्रति समर्पण को भी दर्शाता है।

श्री गौरी हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर
(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED HOSPITAL)
यू.पी.एस.आई.डी.सी. जैनपुर, कानपुर देहात
Mob: 9710106661, 7310106662, 7310106663
अल्ट्रासाउण्ड, सी.टी. स्कैन, डिजिटल एक्सरे की 24 घंटे सुविधा उपलब्ध
- आई0सी0यू0/सी0सी0यू0।
- वेंटीलेटर, ए0वी0जी0ए0, कारडियक मॉनीटर, मल्टीपैरा मॉनीटर की सुविधा।
- C-Arm युक्त वतानुकूलित ऑपरेशन थियेटर।
- ट्रामा स्पोर्ट हेड इन्जुरी का सफल इलाज।
- डिजिटल एक्स.रे, सी.टी. स्कैन, अल्ट्रासाउण्ड (U.S.G.) की सुविधा

आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज उपलब्ध है।
टी.पी.ए. कैशलेस की सुविधा उपलब्ध
उपलब्ध सुविधाएं:- ए0बी0जी0ए0 मशीन
1. अत्यंत कम वजन के नवजात शिशु एवं समय से पहले जन्में शिशुओं की विशेष देखभाल। 2. नवजात एवं बाल्य गहन चिकित्सा इकाई ;च्ण्ब्ण्न्द्ध 3. चौबीस घंटे मेडिकल स्टोर, एक्सरे, पैथालॉजी, कैन्टीन की सुविधा। 4. नि:शुल्क एम्बुलेंस की सुविधा। 5. दूरबीन द्वारा पित्त एवं गुर्दे, यूरेटर की पथरी का ऑपरेशन, बच्चेदानी में गांठ का ऑपरेशन दूरबीन द्वारा किया जाता है। 6. गहन चिकित्सा इकाई, वेंटीलेटर सुविधा सहित। 7. सभी प्रकार के हड्डी रोग एवं ट्रामा सम्बंधित ऑपरेशन। 8. सिजेरियन ऑपरेशन/डिलेवरी/बच्चेदानी का ऑपरेशन अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर। 9. कार्डियक मीनीटरिंग/इको कार्डियोग्राफी/सोनोग्राफी/टी.एम.टी.
डा. संजय त्रिपाठी
एम.बी.बी.एस., एमडी मेडिसिन
फेलोशिप क्रिटिकल केयर
विजय बाजपेई
मैनेजिंग डायरेक्टर

ईएसआई अस्पताल

किदवईनगर में बेलगाम व्यवस्था

» सुबह 10 बजे तक नहीं आते डॉक्टर और मरीजों को होती है दिक्कत

» बीमित कर्मचारियों को समय पर इलाज नहीं, डॉक्टरों और स्टाफ की नियमित अनुपस्थिति बनी बड़ी समस्या

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। कर्मचारी राज्य बीमा निगम के अंतर्गत संचालित किदवई नगर स्थित ईएसआई अस्पताल लापरवाही का शिकार है। बीमित कर्मचारियों के अनुसार, अस्पताल का समय सुबह 8 बजे निर्धारित है, लेकिन न तो समय से दरवाज़े खुलते हैं और न ही डॉक्टर या अन्य स्टाफ 10 बजे तक अपनी ड्यूटी पर पहुंचते हैं। यह हाल तब हैं जब कानपुर में कर्मचारी राज्य बीमा निगम का मुख्यालय है। अन्य जिलों के ईएसआई अस्पतालों में क्या हाल होगा ये तो अंदाजा लगा सकते हैं।

एक बीमित कर्मचारी द्वारा अस्पताल की स्थिति पर शिकायत दर्ज कराते हुए बताया गया कि 21 अप्रैल 2025 को वे इलाज के लिए सुबह 8 बजे अस्पताल पहुँचे, लेकिन 10 बजे तक न कोई डॉक्टर मौजूद था और न ही कोई जवाबदेह अधिकारी। यह स्थिति सिर्फ एक दिन की नहीं बल्कि नियमित हो चुकी है।

पीड़ित कर्मचारी ने चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रश्मि गुप्ता को फोन किया, तो उन्होंने बताया कि वे छुट्टी पर हैं। इसके बाद कर्मचारी ने ईएसआईसी निदेशक सुरेन्द्र प्रसाद सिंह से संपर्क करने की कोशिश की, पर उनसे भी कोई स्पष्ट उत्तर नहीं मिला।

कर्मचारी ने बताया कि इससे पूर्व भी 5 और 7 अप्रैल को इसी प्रकार डॉक्टर और स्टाफ की अनुपस्थिति से उन्हें इलाज नहीं मिल पाया था। शिकायतकर्ता का कहना है कि 卐हम बीमित कर्मचारी कोई कीड़े-मकोड़े नहीं हैं। हम समय पर ऑफिस पहुँचने के लिए सुबह जल्दी निकलते हैं, लेकिन अस्पताल में लापरवाही के कारण इलाज तक नहीं हो पाता। अस्पताल प्रशासन की यह उदासीनता कर्मचारियों के स्वास्थ्य और सम्मान दोनों के साथ खिलवाड़ है।卐 उन्होंने इस संबंध में चिकित्सा अधीक्षक के साथ-साथ निदेशक, उपश्रमायुक्त, उत्तर प्रदेश श्रम मंत्री एवं भारत सरकार के श्रम मंत्री को भी पत्र प्रेषित कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

अब देखने वाली बात यह होगी कि इस शिकायत के बाद क्या अस्पताल प्रशासन सुधरेगा या बीमित कर्मचारियों को यूँ ही उपेक्षा का शिकार होना पड़ेगा।

जुगाड़तंत्र के आगे फेल सिस्टम

कर्मचारी राज्य बीमा निगम का पांडुनगर कानपुर में मुख्यालय है। प्रदेश के अस्पतालों और डिस्पेंसरियों का बुरा हाल है। वहां पर मौजूद स्टाफ जुगाड़ से गायब रहता है और हाजिरी भी लगती है। अधिकारी भी मिले हुए हैं इस लिए शिकायतों पर कोई कार्रवाई नहीं होती है।

मैं यहाँ एमएस हूँ, तबियत खराब के चलते कल छुट्टी पर थी, अभी भी में 50 मरीजों को देख रहीं हूँ। ये कर्मचारीगण मेरे भाई बहन जैसे हैं, मैंने अस्पताल के लापरवाह कर्मियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है, यह बर्दाश्त नहीं किया जायेगा, दोषियों के वेतन रोकने की कार्रवाई भी होगी- डॉ रश्मि गुप्ता, चिकित्सा अधीक्षक ईएसआई

गीता टंडन कपूर खत्री सभा कानपुर की प्रथम महिला अध्यक्ष मनोनीत

वह टेनिस की अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हैं तथा आयकर निभाग में सीनियर आयकर अधिकारी भी हैं

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। क्या आपने कभी अमेरिका माता या चाइना माता सुना है नहीं क्योंकि यह गौरव केवल भारत माता को प्राप्त है, वहां भूमे है जहाँ धरती माता, गंगा माता, और कन्या पूजन की परंपरा से नारी को देवतुल्य माना गया है।यहीं कानपुर, रानी लक्ष्मीबाई के जौहर की धरती, आज इतिहास रच रहा है सुश्री गीता टंडन कपूर को खत्री सभा कानपर की प्रथम महिला अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किया गया है। यह केवल एक संयोग नहीं, बल्कि उनके शौर्य, सेवा, और सदगुणों का सच्चा सम्मान है आप टेबल टेनिस की अन्तर्राष्ट्रय खिलाड़ी हैं. तथा आयकर निभाग में सीनियर आयकर अधिकारी है, समाज की अग्रणी प्रतिनिधि भी हैं उनका यह चयन नारी सशक्तिकरण की दिशा में एक युगांतकारी प्रेरणा है।

अध्यक्ष मननीत होने पर विजय कपूर (संरक्षक खत्री सभा), नवीन खन्ना (संरक्षक खत्री सभा), मूलचद सेठ(सरक्षकखत्री सभा), भारतचंद सेठ(पूर्व अध्यक्ष), निखिल टंडन (सीनियर वॉइस प्रेसीडेंट), मुकुल टंडन (पूर्व महामेत्री), रविटडन, अशोक मेहरोत्रा, संजय सेठ, मोहित एवं भूत पूर्वअध्यक्ष विनय माधव खन्ना, सुधीर मेहरोत्रा, राम जी कपूर,आशीष कपूर, दिव्या कपूर, राजेश सेठ, विवेक कपूर, संजय कपूर, रिंकू सेठी, दीपक कपूर, राजीव मेहरोत्रा, सुनीलखन्ना, अतुल मेहरोत्रा, संजय मेहरोत्रा, पंकज टंडन, अनिल टंइन, चेतन सेठ, शोभित सेठ, मोहित टंडन, नमतासेठ, रिचा टिंडन, रुचि सेठ, पदम खन्ना, श्याम मेहरोत्रा, रामजी प्रेस परिवार, राकेश मेहरोत्रा, निम्मी खन्ना, औररुचि कोहली आदि ने उन्हें बधाई व शुभकामनायें दी।

अध्यक्ष मनोनीत होने पर गीता टंडन कपूर ने कहा कि नई जिम्मेदारी मिलने पर उन्हें काफी हर्ष हो रहा है तथाखत्री सभा तथा समाज के उत्थान के लिये वह निरन्तर कार्ये करेंगी । उनका यह प्रयास होगा कि खत्री समाज केसाथ साथ समाज के अन्य लोग भी उन्नति के मार्ग पर चलें ताकि समाज के साथ साथ देश, प्रदेश के लोगों कासर्वागीण विकास हो सके।

KK HOSPITAL & RESEARCH CENTER
K.K. HOSPITAL, PANKI
Contact Us : 9118965948 | 7860510757
हमारे चिकित्सालय में उपलब्ध सेवाएँ निम्नवत हैं
• सभी सुविधाओं से युक्त ऑपरेशन थियेटर।
• पूर्णतया स्वच्छ वार्ड।
• नार्मल डिलीवरी व ऑपरेशन द्वारा प्रसव की सुविधा।
• अनुभवी डॉक्टरों द्वारा सम्पूर्ण इलाज।
• हड्डी के ऑपरेशन की सुविधा।
• जनरल सर्जरी की सुविधा।
• गुर्दे की पथरी का इलाज / पित्त की पथरी का आपरेशन
• हाइड्रोसील/हार्निया/बवासीर का आपरेशन
• सभी प्रकार की जांचों की सुविधा
• अनुभवी विशेषज्ञ हर समय उपलब्ध

ICU/NICU/Emergency की सुविधा 24x7 उपलब्ध
Contact No.: 7860510757
Dr. A.R. Katiyar
(MBBS, FEM MIMA)

सम्पादकीय

बेलगाम बयानबाजी पर अंकुश लगाए

कुछ समय पहले तक उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की सुप्रीम कोर्ट को लेकर की गई टिप्पणियों की चर्चा होती रही है। कहा गया कि इससे न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच टकराव सार्वजनिक हुआ है। चर्चा रही कि इससे जनमानस में अविश्वास व भ्रम की स्थिति बनती है। अब इस टिप्पणी से उत्साहित होकर भाजपा के दो सांसदों ने लोकतंत्र के इस महत्वपूर्ण स्तंभ पर अमर्यादित ढंग से निशाना साधा है। उस महत्वपूर्ण स्तंभ पर जिसका कार्य संविधान की गरिमा बनाना और न्याय सुनिश्चित करना है। दरअसल, विधानसभाओं में विधेयकों को मंजूरी देने के लिये समय सीमा तय करने वाले सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए उत्तर प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने कहा कि 'कोई भी राष्ट्रपति को चुनौती नहीं दे सकता, क्योंकि राष्ट्रपति सर्वोच्च हैं।' वहीं दूसरी ओर लोकसभा में झारखंड के गोड्डा निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सांसद निशिकांत दुबे ने भी चिंताजनक ढंग से तीखा हमला किया है। उन्होंने कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट कानून बनाने का काम अपने हाथ में ले ले तो संसद और राज्य विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए। यहां तक कि उन्होंने देश के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना को भी नहीं बख्शा और उन्हें देश को गृह युद्ध की ओर धकेलने वाला बताया। इतना ही नहीं, कुछ समय उपरांत उन्होंने अपने बयान को और हल्का करते हुए कहा कि एक पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त 'मुस्लिम आयुक्त' की भूमिका में रहे हैं। बहुत संभव है कि दोनों भाजपा नेताओं ने पार्टी में अपना कद बढ़ाने के मकसद से ऐसे बयान दिए होंगे। यह भी कि उन्होंने पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा को बड़ा करके दिखाने का ही प्रयास किया। उन्हें लगता है कि शायद पार्टी उन्हें उनकी वफादारी के लिये पुरस्कृत करेगी। लेकिन भगवा पार्टी ने उन्हें सिर्फ फटकार ही लगाई है। वहीं दूसरी ओर पार्टी ने खुद को उनकी व्यक्तिगत टिप्पणियों से अलग रखने की बात कही है।

निस्संदेह भाजपा को लोकतंत्र के अभिन्न अंग के रूप में न्यायपालिका के प्रति अपने सम्मान की भी पुष्टि करनी चाहिए। वहीं दूसरी ओर विपक्ष का कहना है कि जब तक दोनों भाजपा नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की जाती है, तब तक भाजपा का यह दावा अविश्वसनीय ही बना रहेगा। पहले भी भाजपा के शीर्ष नेताओं ने तब भी उस बयानबाजी को प्रश्रय नहीं दिया, जब आक्रामक बयानबाजी करने वाली सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने अनर्गल बयानबाजी की थी। उल्लेखनीय है कि प्रज्ञा ने महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे को देशभक्त कहकर हंगामा कर दिया था। तब भी पार्टी ने बस इतना किया था कि उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया था और संसदीय पैनल से हटा दिया था। तब उन्होंने दो बार लोकसभा में माफी भी मांगी थी। कालांतर समय के साथ मामला शांत हो गया था। जैसा कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को उम्मीद भी थी। लेकिन इस बार भी यदि ऐसा ही नतीजा सामने आता है तो यह उचित नहीं कहा जा सकता। यह देखते हुए कि दुबे और शर्मा ने मर्यादा की एक सीमा रेखा को पार किया है ,यह स्पष्ट रूप से न्यायालय और संविधान की अवमानना के दायरे में है। जिसके लिये उन्हें क्षमा नहीं किया जाना चाहिए।

बदलती जीवन शैली से संकटमय पशु आबादी

क्षमा शर्मा

अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी जो महिलाएं विवाह करके आती हैं, उनकी रुचि खेती के कामों में नहीं है। हम जानते ही हैं कि पशुओं की देखभाल, उनकी सानी-पानी, उनका दूध दुहना आदि का काम बड़ी संख्या में महिलाएं ही करती रही हैं। लेकिन अब महिलाओं की यह पीढ़ी खत्म होने के कगार पर है। पढ़ी-लिखी लड़कियों की इस काम में इतनी दिलचस्पी भी नहीं।अपने ही इस अखबार में एक बड़ी रपट छपी थी। जिसमें बताया गया था कि पंजाब में पशुओं की गणना से पता चला कि उनकी संख्या, पिछली गणना के मुकाबले कम हो गई है। पशुओं की गणना हर पांच साल में की जाती है। इनकी संख्या में 8.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। जिनकी गणना की गई उनमें भैंस, गाय, भेड़, बकरियां, घोड़े, टट्टू, खच्चर, गधे, ऊंट, सूअर, खरगोश, कुत्ते और हाथी शामिल हैं। क्या इस गणना में बिल्लियों, मुर्गियों, बैलों को भी शामिल किया गया था?

इसी रिपोर्ट में कहा गया कि राज्य में अब बस सिर्फ 127 गधे, 77 ऊंट और 1 हाथी ही बचा है। एक अच्छी खबर यह है कि देसी गायों की संख्या बढ़ती जा रही है। दुधारू पशुओं की घटती संख्या का असर दूध उत्पादन पर नहीं पड़ा है। हालांकि 2019 की गणना में बताया गया था कि भारत में पशुओं की संख्या 2012 के मुकबले 4.6 प्रतिशत अधिक है। हो सकता है पांच साल में यह कम हो गई हो। 2022 में डब्ल्यूडब्ल्यूएफ की रिपोर्ट में बताया गया था कि पूरी दुनिया में जंगलों में रहने वाले पशु तेजी से कम हो रहे हैं। उनमें 69 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी।

पालतू पशुओं की संख्या कम होने का बड़ा कारण यह है कि लोग गांव छोड़कर शहरों की तरफ या विदेश जा रहे हैं। ऐसे में जब युवा ही नहीं होंगे साथ में तो पशुओं की देखभाल कौन करे। निःसंदेह, इनकी देखभाल में काफी समय और मेहनत भी लगती है। इनके रहने के लिए अतिरिक्त जगह भी चाहिए। शहरों के फ्लैट सिस्टम में तो दुधारू पशु पाले ही नहीं जा सकते। हां, सालों पहले कोलकाता में एक आदमी ने अपने आठवीं मंजिल के फ्लैट में गाय पाली थी।

पशुओं की हो रही कमी सिर्फ पंजाब की ही बात नहीं है, पूरे भारत की बात है। रिपोर्ट चाहे कुछ भी कहती हो, पशु पालने में बहुत मेहनत लगती है। एक बार पंजाब के लोगों का ही एक साक्षात्कार पढ़ रही थी, जिसमें बताया गया था कि अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी जो महिलाएं विवाह करके आती हैं, उनकी रुचि खेती के कामों में नहीं है। हम जानते ही हैं कि पशुओं की देखभाल, उनकी सानी-पानी, उनका दूध दुहना आदि का काम बड़ी संख्या में महिलाएं ही करती रही हैं। लेकिन अब महिलाओं की यह पीढ़ी खत्म होने के कगार पर है। पढ़ी-लिखी लड़कियों की इस काम में इतनी दिलचस्पी भी नहीं। न ही उनमें इतनी मेहनत करने की ताकत है।

उत्तर प्रदेश में भी यही हाल है। बल्कि कहें कि पूरे देश में ही अब घरों में पशु पालने का चलन कम होता जा रहा है। हालांकि उत्तर प्रदेश के बारे में कहा जाता है कि वहां सबसे अधिक पशु हैं। पशुओं को धन कहा गया है। गो धन, गज धन, बाज धन। यानी कि गाय, हाथी और घोड़े धन जैसे ही होते हैं। गाय के दूध से ही दही, मक्खन, छाछ मिलता है। पहले खेती के कामों के लिए बछड़े भी देती थी, जिनकी इन दिनों दुर्दशा है। ट्रैक्टर के आने के बाद चूंकि बैलों की जरूरत नहीं रही, तो अब वे मारे-मारे फिरते हैं।

संवेदनशीलता से प्रकृति के पुनर्जीवन की राह

धरती सुरक्षा दिवस

वीरेन्द्र कुमार

धरती पर संसाधनों के अंधाधुंध दोहन से पर्यावरण संतुलन बिगड़ रहा है जिससे सतत विकास के लक्ष्य पीछे छूट गये। इंसानी जरूरतों और लालच ने जलवायु संकट, प्रकृति और जैव विविधता की हानि तथा प्रदूषण और अपशिष्ट के बढ़ते ढेर जैसी पारिस्थितिकीय चुनौतियां पैदा की हैं।

पिछले पांच दशकों में वैश्विक आर्थिक प्रगति पांच गुना बढ़ी है, किंतु यहां तक पहुंचने के लिए 70 प्रतिशत से अधिक पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधनों का उनकी क्षमता से अधिक दोहन किया गया । इसका परिणाम यह कि पृथ्वी का अस्तित्व ही संकट में आ गया है।

बार-बार चेताने की आवश्यकता होती है कि इस ब्रह्मांड में अनेक गैलेक्सियां हैं, और हमारी गैलेक्सी में भी अरबों ग्रह हैं, किंतु उनमें केवल पृथ्वी ही ऐसी है, जहां जीवन संभव है। सौरमंडल में पृथ्वी ही एकमात्र ऐसा ग्रह है, जहां सतह पर जल उपलब्ध है और जो जीवन के अस्तित्व में सहायक है। निकट भविष्य में पृथ्वी के अलावा हमारी कोई और शरणस्थली नहीं बनने वाली।

संभवतः इसी कारण साल 2022 के विश्व पर्यावरण दिवस के लिए, 5 जून 1974 के पहले पर्यावरण दिवस की थीम 'ओनली वन अर्थ –केवल एक ही पृथ्वी' को दोहराना जरूरी

लगा। जहां 1974 में शायद ही यह कहा गया हो कि प्रकृति आपात स्थिति में है, वहीं 2022 तक ये चेतावनियां सर्वत्र सुनाई देने लगीं। मानवीय जरूरतों और लालच ने पृथ्वी को तीन मुख्य संकटों में जकड़ लिया है– जलवायु संकट, प्रकृति और जैव विविधता की हानि तथा प्रदूषण और अपशिष्ट का बढ़ता ढेर।

पिछले सौ वर्षों में आधे वेटलैंड और समुद्रों में आधे से अधिक मूंगे की चट्टानें नष्ट हो चुकी हैं। सागरों में इतना प्लास्टिक पहुंच रहा है कि 2050 तक वहां मछलियों से अधिक प्लास्टिक हो सकता है। पृथ्वी के प्रति संवेदना जगाने और इस बिगड़ते संतुलन को सुधारने के लिए ही 2021 के अर्थ डे की थीम थी– 'अपनी पृथ्वी को फिर से ठीक करें'।इसमें ताजे पानी, समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र और भूमि आधारित इकोसिस्टम को फिर से पहले जैसी स्थिति में लाने के प्रयास जारी हैं। इसमें भूमि उपयोग परिवर्तन की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इन सभी प्रयासों का निष्कर्ष था कि 5 जून, 2022 को एक बार फिर 'केवल एक पृथ्वी' के थीम पर लौटा जाए।पृथ्वी और मानवता के लिए संकट का मुख्य कारण है– सतत उपभोग और सतत उत्पादन प्रणाली न होना। जनसंख्या वृद्धि के साथ यह समस्या बढ़ रही है। दूसरी ओर, जैव विविधता तेजी से घट रही है। अब तक 65 फीसदी वन्य जीव समाप्त हो चुके हैं। इसी कारण 2022 के विश्व पर्यावरण दिवस पर यह भी आह्वान किया गया था कि हम सतत और पर्यावरण–अनुकूल जीवनशैली अपनाएं और पृथ्वी के साथ समरसता में जिएं। इस समरसता का भाव जगाने के लिए आवश्यक है कि हम स्वयं को पृथ्वी के स्थान पर रखें और सोचें कि जो कुछ पृथ्वी और प्रकृति के साथ हो रहा है, यदि वही हमारे साथ हो रहा होता, तो हमें कैसा लगता?संवेदनशील न्यायालय और न्यायिक संस्थाएं अब प्रकृति या उसके किसी हिस्से को वैधानिक रूप से जीवित मानव घोषित कर रही हैं ।

प्रयागराज सबसे गर्म तो नजीबाबाद सबसे ठंडा

हल्के में न लें 'गर्मी'

बढ़ रहा है सूर्यदेव का प्रकोप

» मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। गर्मी की शुरुआत हो चुकी है। इस बार अप्रैल के महीने से ही मई-जून की गर्मी का अहसास झुलसाने लगा है। पारा धीरे धीरे अपना स्तर बढ़ा रहा है। ऐसे में यह जरूरी है की हम भी अपने शरीर की सुरक्षा और स्वास्थ्य की रक्षा के लिए सतर्कता बरतें। बदलते मौसम के साथ-साथ कई ऐसी बीमारिया भी दस्तक देती हैं जो हमारी दिनचर्या को प्रभावित कर देती हैं। गर्मी के मौसम में सेहत को लेकर कई तरह की चुनौतियां होती हैं। तेज धूप और गर्म हवा से स्किन का बुरा हाल तो होता ही है साथ में डिहाइड्रेशन, उल्टी, दस्त जैसी परेशानियों का भी सामना करना पड़ता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार कुछ ऐसी बीमारियां होती हैं जो मौसम के बदलने से होती हैं जैसे सर्दियों में फ्लू, कोल्ड-कफ सामान्य हैं। मानसून आते ही डेंगू, मलेरिया आदि बीमारियां होती। गर्मियों में डायरिया, फूड पॉइजनिंग की संभावनाएं बढ़ जाती है। ये बीमारियां वातावरण में जलवायु के परिवर्तन के दौरान संक्रमण काल के कारण वेक्टीरियाओं की सक्रियता से पनपती हैं। ऐसे में मौसम की मार इंसान के लिए मुसीबत का सबब भी बन जाती है। गर्मियों में हीट स्ट्रोक, हीट रैश, अत्यधिक गर्मी से थकावट, अत्यधिक पसीना, सिर दर्द, चक्कर, हृदय गति तेज होना आदि सामान्य तौर पर देखा जाता है। हिहाइड्रेशन, फूड प्वाइजनिंग, सनबर्न, घमौरी, डायरिया का खतरा बढ़ जाता है। गर्मियों में सबसे बड़ी समस्या आमतौर पर डिहाइड्रेशन है जिसमें हमारे शरीर में पानी का संतुलन बिगड जाता है। शरीर में पानी की कमी और पानी का शरीर से बाहर निकलना बढ़ जाता है, पसीने के रूप में या पेट की खराबी से।

ऐसे में ज्यादा से ज्यादा तरल पदार्थों का सेवन करना चाहिए। ताजे फलों का जूस पिये। सिकंजी बनाकर पिएं। पानी खूब पिएं। कोशिश करें कि ज्यादा धूप के संपर्क में ना रहें, वहीं हीट स्ट्रोक तेज धूप में इंसान पर पड़ने वाला सबसे बड़ा खतरा होता है। गर्मी के मौसम में लू लगना सामान्य समस्या है। लू लगने पर लू लगने पर सूते भीगे कपडे को निचोडकर शरीर को ढकें और डाक्टर से तत्काल इलाज लेना बहुत जरूरी है। नहीं तो यह खतरनाक रूप ले सकता है। कुछ परिस्थितियों में यह शरीर के महत्वपूर्ण आंतरिक अंगों को प्रभावित कर देता है। इससे बचने के लिए ज्यादा देर तक धूप में न रहें। बहुत आवश्यक होने पर आंखों पर सनग्लास व कैप, स्कार्फ पहनकर ही घर से निंकलें। खाली पेट घर से कभी न निकलें। धूप से आने के कुछ देर रुककर ही जलपान ग्रहण करें।

ज्यादा देख देर तक सूर्य की रोशनी में रहने रैसै इन दिनों पड जाते है जिसमें त्वचा लाल पड़ जाती है इससे बचने के लिए अपने शरीर को ढक कर रखें हल्के रंगों के कपड़े पहनें और खुली त्वचा पर सनस्क्रीन लोशन लगाकर रखें। नहाने के लिए पानी में नीम की पत्तियों का पानी मिलाकर नहाएं। पाचन शक्ति ठीक से कार्य करे, इसके लिए तेज मिर्च-मसालेदार, तले हुए एवं गरिष्ठ भोजन से जहां तक हो सके परहेज करें। भूख से दो रोटी कम सेवन करें एवं दिन में पीने के लिए पानी का उपयोग ज्यादा करें। बासी खाना न खाएं। दिन में छाछ या दही का इस्तेमाल खाने में करें। घर से बाहर निकलें तो पीने का पानी साथ लेकर निकलें। किसी भी गंभीर समस्या होने पर चिकित्सक से तत्काल संपर्क कर इलाज जरूर लें। मक्खी मच्छरों से बचने के लिए घर की पानी वाली जगह जैसे सिंक नाली आदि में एक ढक्कन मिट्टी का तेल या फिनायल डालने से मच्छर मक्खी के लारवा मर जाते हैं यह बीमारियों का कारण बनते हैं। मौसम की मार से बचने के लिए सावधानी और स्वास्थ्य सुरक्षा ही पहला इलाज होता है।

मौसमी फलों और सब्जियों का करें सेवन : डा. संजय त्रिपाठी

गौरी हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर माती कानपुर देहात के एमबीबीएस , एमडी मेडिसिन, फेलोशिप क्रिटिकल केयर डॉ संजय त्रिपाठी ने कहा कि खानपान में तीखे मसालों का प्रयोग करने से शरीर का तापमान बढ़ने लगता है। दरअसल, हाई कैलोरी और फैट से भरपूर फूड हमारे पाचनतंत्र को कमजोर कर देता है। इससे शरीर का पाचनतंत्र प्रभावित होने लगता है। ज्यादा मसालेदार खानपान से ज्यादा पसीना बहता है। ऐसे में तलाभुना और मसालेदार फूड के बजाय मौसमी फलों और सब्जियों का सेवन करें। उन फलों और सब्जियों को खाएं, जिनमें पानी की मात्रा अधिक होती है, जैसे खीरा, ककडी, गाजर, खरबूज और अन्य पत्तेदार सब्जियां। बाजार में खुले में कटे फलों के सेवन से बचें। बार-बार चाय या कॉफी पीने से बचें। इससे शरीर में गर्मी बढ़ती है और अत्यधिक कैफीन डिहाइड्रेशन का कारण भी बन सकती है।

बासी खाना खाने से बचना चाहिए। कई बार वो पाचनतंत्र को गड़बड़ाने का कारण सिद्ध हो सकता है। हल्का और ताजा बना खाना खाएं। तेज ठण्डे पानी या कोल्ड ड्रिंक के बजाए घडे का पानी पिएं। सुबह उठकर काम निपटा लें और जल्दी सुबह व्यायाम और टहलने की आदत बनाएं अपने बालों और स्किन को धूप से सुरक्षा दें सिर में पसीने को रुकने न दें इसके लिए सूती कपड़े से सिर को ढक कर रखें।

यूपी में पारा 44 के पार

उत्तर प्रदेश में मौसम ने करवट ली है और गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया है। मौसम विभाग लखनऊ द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, बीते 24 घंटे में प्रयागराज राज्य का सबसे गर्म स्थान रहा, जहां अधिकतम तापमान 44.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके बाद फुरसतगंज और वाराणसी बीएचयू में 43.4 डिग्री, जबकि हमीरपुर में 43.2 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। वहीं औद्योगिक नगरी कानपुर में 44.1 और प्रदेशकी राजधानी लखनऊ में 41.3 डिग्री तापमान रहा।

वहीं न्यूनतम तापमान की बात करें तो मेरठ सबसे ठंडा रहा, जहां तापमान 20.1 डिग्री सेल्सियस रहा। आगरा में न्यूनतम तापमान 21.1 डिग्री, मुजफ्फरनगर में 22.1, एटा में 22.3 और नजीबाबाद में 22.5 डिग्री रहा।

कंपनीबाग अंबेडकर प्रतिमा में चलाया गया सफाई अभियान

महापौर प्रमिला पांडेय, पार्षद एवं नेता सदन नवीन पंडित और क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने चलाई झाड़ू

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर । महापौर प्रमिला पांडेय, पार्षद एवं नेता सदन नवीन पंडित, अरूण कुमार गर्ग, क्षेत्रीय अध्यक्ष, भाजपा प्रकाश पाल के साथ कंपनी बाग चौराहे पर बाबा साहब अंबेडकर की प्रतिमा को साफ कर स्वच्छता अभियान की शुरुआत की ।मेयर प्रमिला पांडेय ने बताया कि 20.04.2025 को मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कानपुर में होने वाली जनसभा को दृष्टिगत रखते हुए विशेष सफाई अभियान चलाये जाने के निर्देश दिये गये थे। तत्क्रम में कंपनी बाग चौराहे से स्वच्छता अभियान प्रारंभ किया गया, उक्त अभियान लगातार दिनांक 24.04.2025 तक पूरे शहर के सभी प्रमुख चौराहों, महापुरूषों की प्रतिमाओं और मंदिरों में चलता रहेगा। महापौर प्रमिला पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस प्रकार पहली बार प्रधानमंत्री बनते ही स्वच्छता को विशेष महत्व दिया था इस कदम उनके स्वागत के लिए पूरे शहर को स्वच्छता व सफाई अभियान चलाया जा रहा है।

आईसीटी पाठशाला में दिलाई पृथ्वी बचाने की शपथ

आईसीटी की पाठशाला ने मनाया विश्व पृथ्वी दिवस आईसीटी की पाठशाला द्वारा विश्व पृथ्वी दिवस पर ऑनलाइन क्विज़ एवं शपथ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित पृथ्वी बचाने को 4000 लोगों ने ली शपथ

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। प्रत्येक वर्ष 22 अप्रैल को विश्व पृथ्वी दिवस के रूप में मनाया जाता है। महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा ने भी सभी विद्यालयों में इसे मनाने के निर्देश जारी किए हैं। जनपद के स्टेट आईसीटी अवॉर्डी शिक्षक एवं संस्थापक आईसीटी की पाठशाला इंजीनियर शेखर यादव द्वारा अनूठी पहल करते हुए विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय ऑनलाइन क्विज एवं 卐पृथ्वी संरक्षण की शपथ卐 कार्यक्रम का आयोजन किया। क्विज़ में प्रतिभागियों ने पृथ्वी दिवस के उद्देश्य एवं पृथ्वी संरक्षण के बचाव के तरीके आधारित प्रश्नों के उत्तर देने के साथ पृथ्वी को बचाने के लिए शपथ भी ली।

कार्यक्रम के आयोजक शेखर यादव ने बताया कि इस पहल में न सिर्फ उत्तर प्रदेश बल्कि अन्य राज्यों के 2200 से अधिक शिक्षकों, 1700 से अधिक विद्यार्थियों तथा उनके अभिभावकों सहित 4000 से अधिक प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में जुड़े एससीईआरटी लखनऊ की इकाई संस्था कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन (सीटीई), प्रयागराज के प्राचार्य अशोक कुमार सिंह ने सभी प्रतिभागियों को अपने हस्ताक्षरयुक्त ई-सर्टिफिकेट प्रदान कर आईसीटी की पाठशाला के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है और इस दिशा में डिजिटल माध्यमों से जन-जागरूकता फैलाना एक अभिनव एवं सराहनीय पहल है ।शेखर यादव ने बताया कि आईसीटी की पाठशाला शिक्षक, छात्र एवं अभिभावक का एक नि:शुल्क मंच है जहाँ सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता कार्यक्रम संचालित रहते हैं। पृथ्वी दिवस पर आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों में पृथ्वी के संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी की भावना जागृत करना था। ऑनलाइन माध्यम से जुड़ने वाले प्रतिभागियों ने शपथ ली कि वे पृथ्वी को हरा-भरा बनाए रखने के लिए सतत प्रयास करेंगे।

कार्यक्रम में सहयोगी के रूप में जनपद रायबरेली से विनीत श्रीवास्तव, फतेहपुर से विपिन त्रिपाठी, संभल से राखी अग्रवाल, सहारनपुर से दीपा रानी, सीतापुर से अनुपम चौधरी, गाजियाबाद से देवांकुर, अमेठी से रोहित प्रताप सिंह मुख्य रूप से रहे।

खंड शिक्षा कार्यालयों में रद्दी हो रही है सरकारी किताबें

- मलासा बीआरसी में जमा पुस्तकों के ढेर, वितरण में की जा रही लापरवाही
- बिना किताबों के पढ़ रहे परिषदीय स्कूल के बच्चे
- निपुण भारत अभियान को लग रहा है पलीता
- नए सत्र से 21 दिन बीते अभी तक नहीं पहुंची स्कूलों में पुस्तके

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर देहात। **एक तरफ उत्तर प्रदेश की सरकार लगातार परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को बेहतर शैक्षिक ज्ञान उपलब्ध कराने के लिए निपुण भारत अभियान का संचालन कर लर्निंग आउटकम निर्धारित करते हुए शिक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराने के निर्देश दिए जा रहे हैं। इसी के साथ कान्वेंट स्कूलों से टक्कर लेने के लिए यूनिफॉर्म से लेकर निशुल्क बैग व पुस्तके उपलब्ध कराई जा रही है। लेकिन बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों की लापरवाही से परिषदीय स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे बिना किताबों के ही शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।**

जबकि बच्चों को वितरण करने के लिए आई किताबें ब्लॉक संसाधन केंद्र के भंडार गृह में रद्दी हो रही है। लेकिन विभाग के द्वारा कागजों पर पुस्तकों के वितरण का दावा किया जा रहा है इससे शासन की योजनाओं को विभाग के खंड शिक्षा अधिकारी पलीता लगा रहे हैं।

शासन ने परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को निशुल्क पाठ्य पुस्तकों के साथ बैग एवं यूनिफार्म देने का निर्णय लिया था इसके लिए प्रति वर्ष शासन की ओर से पुस्तकें निशुल्क उपलब्ध कराई जाती है। लेकिन 21 दिन गुजरने के बावजूद अब तक कक्षा 1,2 व 3 के छात्रों को पुस्तकें नहीं मिल पाई है।अधिकांश विषयों की पुस्तकें न मिलने से इन कक्षाओं के विद्यार्थी पुरानी ओर बिना पुस्तकों के शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। वही कक्षा चार पांच व जूनियर विद्यालय की कक्षाओं के भी कई विषयों की पुस्तकों का अब तक वितरण नहीं हो सका है। इससे कान्वेंट स्कूलों की टक्कर लेने और निपुण भारत लक्ष्य प्राप्त करने में कोई रुचि नहीं दिखाई दे रहा है। वहीं जिन विकास खंडों में स्कूलों तक पुस्तकें पहुंचाने के लिए उपलब्ध करा दी गई है वहां के खंड शिक्षा अधिकारियों की लापरवाही पर खुलकर सामने आ रही है। विभागीय अधिकारियों की लापरवाही की पोल खोल रही है।करीब 1माह पूर्व ब्लॉक संसाधन केंद्र में किताबें पहुंच जाने के बावजूद किताबें का वितरण किया गया है। इससे आधा सत्र गुजरने के बावजूद भी बच्चों को पाठ्य पुस्तकें नहीं मिल पा रही हैं जिससे निपुण भारत अभियान को विभागीय अधिकारी ही पलीता लगा रहे हैं। वहीं बच्चों के शैक्षणिक गुणवत्ता पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। लेकिन बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं जिससे शासन की योजनाओं का नौनिहालों को लाभ नहीं मिल पा रहा है।

स्वराज इंडिया के कैमरे में कई शिक्षको ने बताई समस्याएं

स्वराज इंडिया की टीम जब कई स्कूल में बच्चे से ओर इंचार्ज प्रधानाचार्य से किताबें के बारे में जांच पड़ताल की तो नाम न छापने की शर्त पर एक इंचार्ज प्रधानाचार्य ने बताया है कि कई न्याय पंचायत में अभी तक किताबें नहीं पहुंची है। अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं।

बोले जिम्मेदार अधिकारी.....

किताबों का वितरण चल रहा है। अभी कुछ किताबें नहीं आई है जैसे-जैसे आती जा रही हैं वैसे-वैसे स्कूलों में भिजवाया जा रहा है।

अजीत प्रताप सिंह
(बीईओ), प्रभारी बीएसए कानपुर देहात।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | **प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)**

झींझक ब्लाक : सरकारी धन के दुरुपयोग में ग्राम प्रधान के अधिकार सीज

» तत्कालीन तीन सचिवों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिए

» भ्रष्टाचार के मामले में डीएम आलोक सिंह कड़ा एक्शन

» करियाझाला ग्राम प्रधान के अधिकार छीने गए

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। झींझक ब्लॉक के करियाझाला ग्राम पंचायत में सरकारी धन के दुरुपयोग के मामले में डीएम आलोक सिंह कड़ा एक्शन लिया ओर प्रधान के अधिकार छीन लिए हैं। वहीं, तत्कालीन तीन सचिवों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। ग्राम पंचायत के संचालन के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित करने के भी निर्देश दिए हैं।

करियाझाला ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत में हैंडपंप मरम्मत व रोबोर तथा इंटरलॉकिंग के नाम पर सरकारी धन का दुरुपयोग करने की शिकायत डीएम से की थी। जांच में हैंडपंप मरम्मत व रीबोर के कार्य पर 5.19,635 रुपये खर्च होना पाया गया। इसके भुगतान के सापेक्ष संबंधित फर्मों से 20,785 रुपये जीएसटी, टीडीएस कटौती न कर राजकोष को क्षति पहुंचाई गई। वहीं ग्राम पंचायत में इंटरलॉकिंग पर का 3,43,241 रुपये खर्च किए गए। इसमें भुगतान के सापेक्ष 13,730 रुपये जीएसटी, टीडीएस कटौती नहीं की गई। जांच में पाया गया कि प्रधान व तत्कालीन सचिव ने मिलकर प्रधान के भाई अनुज कुमार के निजी खाते में 5,77,290 रुपये का भुगतान कर दिया।

इसमें कुल छह लाख एक हजार आठ सौ पचास रुपये दुरुपयोग की पुष्टि हुई। इस पर डीएम ने ग्राम प्रधान अंकित यादव के वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकार छीन लिए हैं। ग्राम पंचायत में तैनात रहे तत्कालीन सचिव अनिल कुमार (अ), अनिल कुमार (ब) तथा देवीप्रसाद व विवेक कुमार पर भी विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। वही खंड विकास अधिकारी झीझंक आशुतोष शुक्ला ने बताया कि जल्द ही समिति की गठन किया जाएगा।

नलकूप विभाग में सरकारी धन की हेराफेरी, किसान परेशान

योगी सरकार में अफसरों की चल रही बड़ी मनमानी

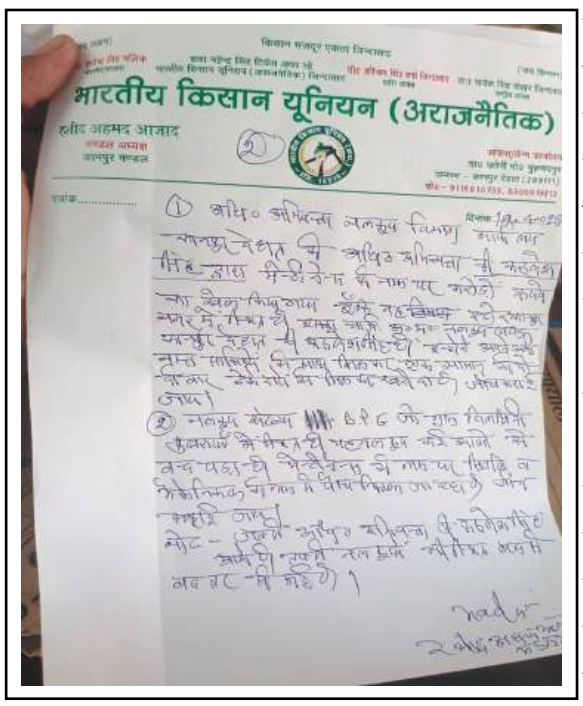

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुरदेहात। अधिशासी अभियंता नलकूप विभाग में फर्जी बजट बनाकर लाखों रुपए का हेराफेरी के आरोप लग रहे हैं। जिसकी शिकायत जिला अधिकारी से की गई है।

भारतीय किसान यूनियन के मंडल अध्यक्ष रशीद अहमद ने जिलाधिकारी कानपुर देहात को बताया कि अधिशासी अभियंता नलकूप विभाग मुख्यालय में मेंटेनेंस के नाम पर करोड़ों का खेल किया गया है स्टोर में पुराने माल को नया बजट दिखाकर बिल बनाए जा रहे हैं और भुगतान किया जा रहा है नलकूप संख्या 111 बी पी जी जो पिलखनी में स्थित है कई सालों से बंद पड़ा है मेंटेनेंस के नाम पर पुराने बिल नए बनाकर पेमेंट किया जा रहा है द्यरशीद अहमद ने जिलाधिकारी आलोक सिंह को बताया कि जब से अधिशासी अभियंता करूणेश सिंह ने चार्ज लिया है।कमीशन के नाम पर भारी मांग की जाती है। जिससे बंद पड़े नलकूप के साइड में काम भी नहीं हो पा रहा है। जिलाधिकारी आलोक सिंह ने बताया कि शिकायत की जांच सौंप गई है जांच रिपोर्ट आने पर कार्रवाई की जाएगी।

बॉम्बे हॉस्पिटल
नियर आघू रोड, कानपुर-आगरा हाईवे, अकबरपुर, कानपुर देहात

24 घंटे इमरजेंसी सुविधा
24 घंटे एम्बुलेंस व मेडिकल स्टोर की सुविधा
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार के ऑपरेशन
हेल्पलाइन नं.: 8355017999, 8858997333
हड्डी के सभी ऑपरेशन, गुर्दे की पथरी
पित्ताशय की पथरी, फिशर, नासूर
अपेन्डिक्स, प्रोस्टेट, कैंसर की गांठ, भगंदर
हर्निया, हाइड्रोसील, छाती का कैंसर
पेट की चोट व अन्य समस्याएं
बच्चेदानी व अण्डाशय की गांठ
घुटने का प्रत्यारोपण, पाइल्स (बवासीर)
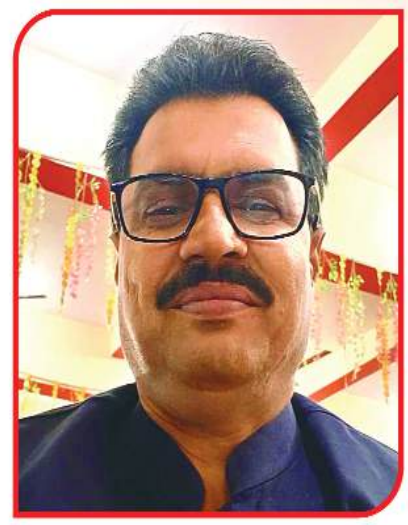

डॉ. सुरेश यादव
डायरेक्टर

बाराबंकी: जिला अस्पताल में अचानक बढ़ी मरीजों की संख्या

डॉक्टरों के अनुसार अनियमित दिनचर्या और खानपान से प्रभावित हो रहा है जीवन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाराबंकी। बाराबंकी। गर्मी बढ़ते ही जिला अस्पताल में मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है। सोमवार को महज 6 घंटे में ओपीडी में 1850 से अधिक मरीज पहुंचे। फिजिशियन, बाल रोग, नेत्र, चर्म, सर्जरी, हड्डी और ईएनटी विभागों में सबसे अधिक भीड़ देखी गई। मरीजों को पर्चा बनवाने से लेकर डॉक्टर को दिखाने तक डेढ़ से दो घंटे का समय लग रहा है। उमस भरी गर्मी में पंखे और कूलर की कमी से मरीजों की परेशानी बढ़ गई है। जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. वीपी सिंह के अनुसार अस्पताल में बेड की संख्या कम है। उन्होंने कई बार 300 बेड की मांग की है। मौसम बदलने और खानपान में लापरवाही के कारण लूज मोशन, बुखार, उल्टी-दस्त के मरीज बढ़े हैं। डॉक्टर्स की टीम सीमित संसाधनों में भी हर मरीज का इलाज कर रही है। इमरजेंसी के मरीजों का इलाज स्ट्रेचर पर ही शुरू कर दिया जाता है। गंभीर मरीजों को रेफर भी किया जाता है। अस्पताल प्रशासन का प्रयास है कि कोई मरीज बिना इलाज के न लौटे।

महादेवा कॉरिडोर के निर्माण के लिए जल्द फूटेगा नारियल

स्वराज इंडिया संवाददाता

रामनगर(बाराबंकी)। महादेवा कॉरिडोर के निर्माण में तेजी लाने के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। जिन भवन स्वामियों का बैनामा हो गया है उन्हें तीन दिनों के अंदर घर खाली करने के लिए कहा गया इसके लिए सोमवार को मुनादी करवाई गई उप जिलाधिकारी रामनगर पवन कुमार ने महादेवा क्षेत्र का भ्रमण किया और राजस्व कर्मचारियों को भवन खाली कराने के निर्देश दिए।

» जिन भवन स्वामियों का बैनामा हो गया है उन्हें तीन दिनों के अंदर घर खाली करने के निर्देश

» उत्तर भारत के सुप्रसिद्ध तीर्थ स्थल में गिने जाते हैं लोधेश्वर महादेवा

उल्लेखनीय है कि उत्तर भारत के सुप्रसिद्ध तीर्थ स्थल महादेवा में प्रस्तावित कारिडोर निर्माण को लेकर शासन के द्वारा पहली किस्त जारी होते ही अधिकारियों ने तेजी पकड़ ली है। पर्यटन विभाग के द्वारा जिन लोगों के मकानों दुकानों वह भवनों का बैनामा कराया जा चुका है और मुआवजे की धनराशि दी जा चुकी है उन्हें नोटिस जारी कर तीन दिनों के अंदर भवन खाली करने के लिए कहा गया है।

सोमवार को उपजिलाधिकारी पवन कुमार ने लोधेश्वर महादेवा पहुंचकर भ्रमण किया और मुनादी करवाई जाने के निर्देश दिए इसके बाद हल्का लेखपाल संतोष कुमार के द्वारा मुनादी करवा कर घर खाली करने के लिए कहा गया उपजिला अधिकारी पवन कुमार ने बताया संभवत 15 मई के आसपास निर्माण कार्य प्रारंभ हो जाएगा इसीलिए मुनादी करवाई गई है।

स्वराज इंडिया
बाराबंकी
10

कॉरिडोर की तरह विकसित होगा लोधेश्वर महादेवा धाम

खाद्य एवं रसद मंत्री सतीश चन्द शर्मा के प्रयास से भव्य और सुंदर बनेगा महादेव मंदिर

» योगी शासन से 48 करोड़ रूपये की मंजूरी मिल गई है

सूरतगंज से हेतमापुर रोड के चौड़ीकरण को भी मंजूरी

इस संबंध में अधिशासी अभियंता निर्माण खंड-3 राजीव राय ने जानकारी देते हुए बताया कि काफी समय से सूरतगंज से हेतमापुर रोड बहुत ही जर्जर थी जो अब 13 किमी लंबा व 7 मीटर चौड़ा निर्माण किया जाना है। इस परियोजना के लिए 44 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है, जिसके अंतर्गत 15 करोड़ रुपये की धनराशि जारी कर दी गई है। जल्द ही इस सड़क से आवागमन करने वाले राहगीरों को इससे निजात मिलेगी। निर्माण कार्य को प्रारंभ है।

लोधेश्वर महादेव मंदिर के समेकित पर्यटन विकास हेतु 48 करोड़ मंजूर

अपराध एवं माफिया मुक्त रेंज बनाना मेरी पहली प्राथमिकता

राहुल अग्निहोत्री स्वराज इंडिया

» शैलेश पाण्डेय डीआईजी ने बताया कहा कि अपराधी अपराध छोड़ें या फिर रेंज

आगरा। शासन स्तर पर हाल ही में हुए तबादले के बाद आगरा रेंज का नए डीआईजी के रूप में शैलेश कुमार पाण्डेय ने कार्यभार संभालने के बाद सोमवार को पहली बार पत्रकारों से रूबरू हुए। जिसमें उन्होंने कहा कि जन शिकायतों को थाने स्तर से निस्तारित किया जाए।चिह्नित अपराधियों के खिलाफ रेंज स्तर पर कड़ा एक्शन लिया जाएगा।

हर छोटी बड़ी घटनाओं को समय रहते पुलिस मामले को टेकअप करें जिसमें लोगों को राहत मिल सके। पत्रकारों से बातचीत करते हुए नवागत डीआईजी शैलेश कुमार पाण्डेय ने बताया कि अपराध एवं माफिया मुक्त रेंज बनाना मेरी पहली प्राथमिकता होगी,अपराधियों की जगह अब क्षेत्र में नहीं बल्कि उनकी जगह जेल अथवा यमलोक में होगी,जमीनी विवाद राजस्व और पुलिस के सहयोग से निस्तारण किया जाएगा छोटी से छोटी घटनाओं पर थाना प्रभारी व सर्किल अफसर घटनास्थल पर पहुंचकर घटनाओं पर अंकुश लगाने का कार्य करेंगे

जिससे बड़ी से बड़ी घटना होने से रोका जा सके।उन्होंने आगे यह भी कहा कि किसी भी परिस्थिति में अपराधियों को बक्शा नहीं जाएगा,चाहे अपराधी कोई भी हो कितना भी पहुंच वाला क्यों न हो।

नवागत डीआईजी शैलेश कुमार पाण्डेय ने साफ कर दिया कि अब रेंज के किसी भी जनपद में क्राइम और करप्शन किसी भी स्थित में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा,डीआईजी ने प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से अपने इरादे व तेवर स्पष्ट कर दिए है।मतलब साफ है कि आगरा रेंज को एक ईमानदार छवि का तेजतर्रार,कृतवनिष्ठ और न्यायप्रिय डीआईजी मिला है।तो निश्चित ही रिजल्ट भी अच्छा ही आएगा और अपराध और अपराधियों पर अंकुश लगाने में नए डीआईजी निर्णायक भूमिका अदा करेंगे ऐसी आशा है।वही मथुरा,अयोध्या,प्रयागराज सहित लगभग एक दर्जन से अधिक जनपदों में बेहतर पुलिस कप्तानी कर चुके वर्ष–2011 बैंच के बहुचर्चित आईपीएस अफसर शैलेश कुमार पाण्डेय के प्रमोशन के बाद तबादल आदेश के तहत उन्हें आगरा रेंज का नवनियुक्त डीआईजी बनाया गया है।

अयोध्या एयरपोर्ट पर महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा का अनावरण

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। अयोध्या एयरपोर्ट पर सोमवार को महर्षि वाल्मीकि जी की 6 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा का भव्य अनावरण किया गया। ध्यानस्थ मुद्रा में स्थापित यह प्रतिमा न केवल भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता का प्रतीक बनी, बल्कि राम नगरी की सांस्कृतिक गरिमा को भी नई ऊंचाई प्रदान कर रही है।

इस ऐतिहासिक अवसर पर एयरपोर्ट निदेशक विनोद कुमार ने प्रतिमा का अनावरण करते हुए कहा कि 卐महर्षि वाल्मीकि रामायण के रचयिता होने के साथ-साथ हमारे समाज और संस्कृति के मूल आधार हैं। उनकी यह प्रतिमा आगंतुकों को भारतीय ज्ञान परंपरा की स्मृति दिलाएगी।卐

इस संकल्पना को मूर्त रूप देने में संस्कृति विभाग और अयोध्या विकास प्राधिकरण की संयुक्त भूमिका रही। अधिकारियों ने बताया कि यह प्रतिमा आने वाले यात्रियों के लिए स्वागत बिंदु के रूप में कार्य करेगी, जो उन्हें अयोध्या की सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराएगी। स्थानीय कलाकारों की देखरेख में तैयार की गई यह कांस्य प्रतिमा भविष्य में अयोध्या एयरपोर्ट की एक खास पहचान बनेगी।

डीएम बोले, उड़नदस्ता नहीं, जवाबदेही की उड़ान है यह...

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। जिले के नवागत जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे का हालिया निर्णय जिलेभर में उड़न दस्ते का गठन सिर्फ एक प्रशासनिक कवायद नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर सुस्ती और उदासीनता के विरुद्ध एक सख्त संदेश है। उन्होंने पदभार ग्रहण करते ही जिस तत्परता से जिला अस्पताल का निरीक्षण किया, ओपीडी, दवा वितरण और डॉक्टरों की उपस्थिति की पड़ताल की, वह बताता है कि यह डीएम बातों से नहीं, कार्रवाई से काम करने वाले हैं।

डॉक्टरों द्वारा बाहर की दवा लिखने की शिकायत हो या सेप्टिक वार्ड में लगा ताला— जिलाधिकारी ने कोई भी गड़बड़ी नज़रअंदाज़ नहीं की। बल्कि ताला तुड़वाकर निरीक्षण करना इस बात का प्रतीक है कि अब जिम्मेदारियां ताले में बंद नहीं रहेंगी। सफाई की बदहाली पर खुली नज़र और दोनों अस्पतालों के बीच नाले की सफाई को लेकर स्पष्ट निर्देश, इस बात का संकेत हैं कि अब हर विभाग को चौकन्ना रहना होगा।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि डीएम ने डॉक्टरों की कमी पर भी सिर्फ शिकायत नहीं की, बल्कि समाधान की ओर कदम बढ़ाते हुए स्वास्थ्य मंत्री से अनुरोध की तैयारी जताई। यह निर्णय प्रशासन को महज बैठकों तक सीमित रखने वाले अफसरों के लिए एक सीख है और जनता के लिए उम्मीद की किरण। उड़न दस्ता महज एक नाम नहीं, यह एक सोच है — जवाबदेही, पारदर्शिता और संवेदनशील प्रशासन की।अब देखना यह है कि क्या अन्य विभाग भी इस उड़ान में शामिल होकर जिले को ईमानदार और चुस्त शासन व्यवस्था की दिशा में आगे ले जा पाएंगे या नहीं। लेकिन शुरुआत दमदार है और अब जनता उम्मीद से ज्यादा, नतीजे चाहती है।

अतुल प्रधान ने कानून व्यवस्था और लोकतंत्र पर सवाल उठाए

अखिलेश की एनएसजी सुरक्षा के लिए गृहमंत्री को लिखा पत्र

» स्वराज इंडिया संवाददाता।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा मुखिया अखिलेश यादव की सुरक्षा का मुद्दा लगातार उठ रहा है। पार्टी के नेता, प्रवक्ता से लेकर विधायक तक अखिलेश यादव को एनएसजी सुरक्षा दिए जाने की मांग लगातार कर रहे हैं। सपा प्रवक्ता फखरुल हसन चांद के बाद अब सपा विधायक अतुल प्रधान ने गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिख दिया है।

इस पत्र में प्रदेश की कानून व्यवस्था का जिक्र करते हुए सपा मुखिया अखिलेश यादव को हस्त कवर उपलब्ध कराए जाने का निवेदन किया है। अतुल प्रधान ने कहा कि

» सपा प्रमुख अखिलेश यादव को हाल ही में मिली थी धमकी।

यूपी की कानून-व्यवस्था आजकल ध्वस्त है। सोशल मीडिया और मीडिया के जरिये लोग गोली मारने की धमकी दे रहे हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।

दरअसल मेरठ जिले की सरधना सीट से समाजवादी पार्टी के विधायक अतुल प्रधान ने बीते दिनों गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है। सपा विधायक ने यूपी की कानून व्यवस्था को लेकर कहा कि उत्तर प्रदेश में आजकल कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है। सोशल मीडिया और मीडिया के माध्यम से लोग गोली मारने की धमकी दे रहे हैं। हालांकि यूपी की सरकार ऐसे लोगों पर किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं कर रही है। सपा विधायक ने कहा कि सरकार ने विपक्ष के नेताओं पर हमले कराने के लिए लोगों को मौन सहमति दे रखी है, जोकि भारतीय राजनीतिक की खूबसूरत परंपराओं को एक तरह से कुंठित करने का काम कर रही है।

समाजवादी पार्टी के विधायक अतुल प्रधान ने कहा कि कि हमारे लोकतंत्र में राजनीतिक शिष्टाचार को एक अहम हिस्सा दिया गया था। हालांकि आज के परिदृश्य में उत्तर प्रदेश में स्वच्छ लोकतंत्र खत्म होने के कगार पर है। अतुल प्रधान ने कहा कि आज के समय में देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी और सबसे अधिक लोकप्रिय नेता अखिलेश यादव की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी सरकार की है। सपा विधायक अतुल प्रधान ने गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर मांग की कि जल्द से जल्द यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री व सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को एनएसजी कवर उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

अखिलेश को मिली थी धमकी!

पत्र के जरिये सपा विधायक अतुल ने गृहमंत्री अमित शाह को बताया कि अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश जैसे विस्तृत राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री रहे है और देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष है। सपा यूपी की मुख्य विपक्षी पार्टी है और अखिलेश यादव देश-प्रदेश के एक बेहद लोक प्रिय नेता है। आम जन के दुख-सुख में सबसे ज्यादा शामिल होते है। इस नाते देश-प्रदेश में उनके विभिन्न जगहों पर कार्यक्रम निर्धारित रहते है।

बता दें, सोमवार को सपा नेता आईपी सिंह ने अखिलेश यादव का एक वीडियो पोस्ट कर राहुल गांधी से अखिलेश की सुरक्षा का मुद्दा उठाने की मांग की है। हाल ही में अखिलेश यादव ने भी गोली मारने की धमकी दिए जाने का बयान दिया था।

सपा-कांग्रेस देश में माहौल खराब करना चाहती हैं

वक्फ संशोधन बिल को लेकर बढ़ी तनातनी के बीच भारतीय जनता पार्टी वक्फ सुधार जनजागरण अभियान-2025 का आयोजन कर रही है। मंगलवार को लखनऊ बीजेपी दफ्तर में अवध क्षेत्र की बैठक हुई है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यूपी के अंदर कांग्रेस के मुख्य दरबारी व सपा मुखिया अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश का माहौल खराब करना चाहते हैं। केशव ने कहा कि इसी तरह पश्चिम बंगाल के अंदर टीएमसी जो सरकार का नेतृत्व कर रही है, उन्होंने वहां माहौल खराब करके रखा है। मुर्शिदाबाद में जिस तरह से दंगा हुआ और हिंदुओं की हत्या होने के कारण उन्हें पलायन करना पड़ा है।

अमरेली में पायलट ट्रेनिंग प्लेन हुआ क्रैश, एक की मौत

» अहमदाबाद/अमरेली, एजेंसी।

गुजरात के अमरेली में प्लेन क्रैश होने की बड़ी घटना सामने आई है। मंगलवार को दोपहर में एकाएक अमरेली के गिरिया रोड पर एक निजी कंपनी का प्लेन क्रैश हो गया। जब विमान क्रैश हुआ तो उस वक्त पर इसमें कुल दो लोग मौजूद थे। हादसे में एक की मौत हो गई जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। एक प्राइवेट कंपनी द्वारा संचालित पायलट ट्रेनिंग सेंटर का प्लेन क्रैश होने पर तेज धमाका हुआ। इसके साथ विमान में आग लग गई। सूचना पर पहुंची अमरेली फायर विभाग की टीमों ने आग को बुझाया।

गुजरात के अमरेली में यह घटना ऐसे वक्त पर सामने आई है जब सौराष्ट्र के जामनगर में ही एक दिन पहले एयरफोर्स के खराब हुए हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग हुई थी। इससे पहले एयरफोर्स का जगुआर विमान क्रैश हुआ था। इसमें एक की मौत हुई थी। अमरेली में निजी विमान के क्रैश होने के बाद अमरेली जिला प्रशासन के तमाम अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। इस घटना के कारणों की जांच की जा रही है। घटना स्थल को जांच के लिए बैरीकेड किया गया है। विमान के सड़क पर गिरने से आसपास के लोग डर गए। तेज आवाज के बाद बाहर निकले लोग लगी की लपटें देखकर सहम गए। सूचना पर पहुंची दमकल ने आग बुझाई।

अमरेली में जहां पर प्लेन क्रैश हुआ। वहां के स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले प्लेन क्रैश हुआ। इसके बाद उसमें ब्लास्ट के आग लगी। इसके चलते लोग डर गए। आग लगने के कारण लोगों को दमकल को बुलाना पड़ा। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई जब दूसरे को काफी गंभीर अवस्था में अस्पताल ले जाया गया है। आधिकारिक तौर पर अभी एक मौत की पुष्टि हुई है।

अमरेली में क्रैश हुआ विमान डीजीसीए द्वारा एप्रूव्ड विजन फ्लाइंग ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट का था। यह इंस्टीट्यूटी अमरेली में ही स्थित है। इंस्टीट्यूट में कॉमर्शियल पायलट के साथ प्राइवेट पायलट और कंवर्जन फ्लाइंग की कोर्स संचालित किए जाते हैं। इंस्टीट्यूट का जो प्लेन क्रैश हुआ वह टीईसीएनएएम2008 था। इस प्लेन ने 11:15 बजे उड़ान भरी थी। यह 12:50 बजे हादसे का शिकार हुआ।

वाराणसी के बाद जौनपुर में युवती के साथ दरिंदगी

दो होटलों में ले जाकर किया गैंगरेप, नौ लड़कों पर आरोप

» जौनपुर, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

यूपी के वाराणसी के बाद अब जौनपुर से एक किशोरी के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। जहां युवती के साथ 2 होटलों में 9 युवकों ने बारी-बारी से गैंगरेप किया। फिर लहूलुहान हाल में छोड़कर फरार हो गए। उधर, सूचना मिलने पर पुलिस पीड़िता को गंभीर हालत होने पर जिला अस्पताल भर्ती कराया। वहीं, घटना के 6 घंटे के भीतर ही पुलिस ने 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

ये मामला शाहंगज क्षेत्र का है। जहां सोमवार देर रात रामलीला मैदान में लगे प्रदर्शनी के पीछेट एक किशोरी लहूलुहान हालत में पड़ी मिली। सूचना के बाद पुलिस ने आनन-फानन में उसे राजकीय चिकित्सालय ले गई। किशोरी ने अपने साथ हुए गैंगरेप के बारे में बताया। बताया जाता है कि किशोरी आठ अप्रैल से घर से लापता थी। परिजनों ने इस बाबत सुल्तानपुर के लमूहा थाने में गुमशुदगी दर्ज कराया था। बारह दिन घूमने के बाद किशोरी सोमवार शाम रोडवेज पहुंची। यहां पर दो किशोर ने इसे बहला फुसलाकर कर होटल में ले गए। जहां गैंगरेप की घटना को अंजाम दिया गया।

किशोरी ने 5 दुष्कर्म आरोपित व 4 सहयोगियों का नाम लिया। उसने दो होटलों का नाम भी पुलिस को बताया है। एक प्रयागराज मार्ग पर स्थित है वहीं दूसरा अयोध्या मार्ग पर। इंफॉर्मेशन के आधार पर देर रात अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेंद्र सिंह और एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव भी घटना स्थल पहुंचकर मौके का मुआयना किया। फिर आरोपियों को पकड़ने के लिए कुल पांच टीमों का गठन किया। सर्विलांस क्राइम ब्रांच स्वाट टीम समेत स्थानीय पुलिस के सामंजस्य से सभी आरोपितों को एक खंडहरनुमा घर से पकड़ लिया। उधर, पांचों मुख्य आरोपितों का डीएनए जांच हेतु स्पर्म लिया गया है, जिससे दुष्कर्म की पुष्टि हो सकें।

15 साल के किशोर को लेकर भागी शादीशुदा युवती

अलीगढ़। अलीगढ़ के रोरावर क्षेत्र के आसिफ बाग निवासी महिला की शादी करीब सवा साल पहले हुई थी। इन दिनों वह मायके में रह रही थी। इस दौरान मोहल्ले के 15 साल के किशोर से उसकी नजदीकियां बढ़ गईं। इसी बीच रविवार को अचानक दोनों एक साथ गायब हो गए। काफी देर तक नजर नहीं आने पर दोनों के परिवारों में खलबली मच गई। परिजनों की शिकायत पर पुलिस दोनों की तलाश में जुटी है।